समग्र शिक्षा अभियान

कक्षा–6

किसलय

भाग–1

QR Code सहित

किसलय

(भाग-1)

छठी कक्षा की हिन्दी पाठ्यपुस्तक

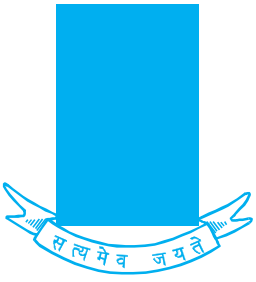

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा विकसित)
बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

Abdiel Solutions

निदेशक ,त्याथमिक शिक्षाद्ध, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त ।

सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत
पाठ्य-पुस्तकों का नि:शुल्क वितरण ।
क्रय-विक्रय दण्डनीय अपराध ।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

सर्व शिक्षा अभियान : 2013-14– 20,92,385

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्धमार्ग, पटना - 1 द्वारा प्रकाशित तथा **कैपिटल ऑफसेट, नयाटोला, पटना-4** द्वारा एच. पी. सी. के 70 जी. एस. एम. क्रीम वोभ टेक्स्ट पेपर (वाटर मार्क) तथा एच. पी. सी. के 130 जी. एस. एम. ह्वाईट (वाटर मार्क) आवरण पेपर पर कुल **20,92,385** प्रतियाँ, 18 × 24 सेमी. साइज में मुद्रित।

WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED © BSTBPC

प्राक्कथन

मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रैल, 2009 से प्रथम चरण में राज्य के कक्षा IX हेतु नए पाठ्यक्रम को लागू किया गया है। इसी क्रम में शैक्षिक सत्र 2010–11 के लिए वर्ग I, III, VI एवं X की सभी भाषायी एवं गैर–भाषायी पाठ्य–पुस्तकें नए पाठ्यक्रम के अनुरूप लागू की गयी है। इस नए पाठ्यक्रम के आलोक में एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली द्वारा विकसित वर्ग X की गणित एवं विज्ञान तथा एस०सी०ई०आर०टी०, पटना, बिहार द्वारा विकसित वर्ग I, III, VI एवं X की सभी अन्य भाषायी एवं गैर भाषायी पुस्तकें बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक प्रकाशन निगम द्वारा आवरण चित्रण कर मुद्रित की गयी हैं। इस सिलसिले की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए शैक्षिक सत्र 2011–12 के लिए वर्ग–II, IV एवं VII की नई पाठ्य–पुस्तकें बिहार राज्य के छात्र/छात्राओं के लिए लागू की जा रही हैं। साथ ही साथ वर्ग–I, III एवं VI की पुस्तकों का नया परिमार्जित रूप भी इसी वर्ष एस०सी०ई०आर०टी०, पटना, बिहार के सौजन्य से प्रस्तुत किया जा रहा है।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री नीतीश कुमार, मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री हरिनारायण सिंह एवं मानव संसाधन विकास विभाग के प्रधान सचिव, श्री अंजनी कुमार सिंह के मार्ग दर्शन के प्रति हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली तथा एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना के निदेशक के हम आभारी हैं, जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया है।

श्री बसंत कुमार, शैक्षिक निबंधक, बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक प्रकाशन निगम लिमिटेड के सफल प्रयास एवं सहयोग का आभारी हूँ, जिन्होंने दल–भावना के अनुरूप कार्यों का संपादन कराया है।

बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

जे०के०पी० सिंह, भा०रे०का०से०
प्रबन्ध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक प्रकाशन निगम लि०

© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

दिशाबोध–सह–पाठ्यपुस्तक विकास समन्वय समिति

- श्री राहुल सिंह, राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- श्री रामशरणागत सिंह, संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग, विशेष कार्य पदाधिकारी, बी. एस.टी.बी.पी.सी., पटना, बिहार सरकार
- श्री अमित कुमार, सहायक निदेशक, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, बिहार सरकार
- डॉ. श्वेता सांडिल्य, शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ, पटना
- श्री हसन वारिस, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- श्री मधुसूदन पासवान, कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- डॉ. एस.ए. मुईन, विभागाध्यक्ष एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

पाठ्य-पुस्तक विकास समिति

विषय-विशेषज्ञ :

- **श्री वीरेन्द्र सिंह रावत,** शिक्षाशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

लेखक सदस्य :

- **श्री अखिलेश कुमार सिंह,** शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, रजासन, बिदुपुर, वैशाली
- **श्री राजमंगल तिवारी,** शिक्षक, मध्य विद्यालय, बखरियाँ, भोजपुर
- **श्री वृजेन्द्र विमल,** शिक्षक, मध्य विद्यालय नवटोल करिहों, सुपौल
- **श्रीमती संजू राय,** शिक्षिका, मध्य विद्यालय सादीपुरघाट, खानपुर, समस्तीपुर
- **डॉ0 सियाराम मिश्र,** शिक्षक , प्राथमिक विद्यालय, बगवतपुर, भोजपुर
- **कुमार अनुपम मिश्र,** विद्या भवन सोसाइटी, उदयपुर (राजस्थान)

समन्वयक :

- **इम्तियाज आलम,** व्याख्यता, एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **डॉ0 अर्चना,** व्याख्यता, एस.सी.ई.आर.टी., पटना

समीक्षक :

- **डॉ0 कलानाथ मिश्र,** रीडर, स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग, ए. एन. कॉलेज, पटना
- डॉ0 (**श्रीमती**) **किरण शरण,** प्राचार्या, रा० कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पटना सिटी, पटना

आरेखन एवं चित्रांकन :

- **सदानन्द सिंह,** धंधुआ, वैशाली

साभार - यूनिसेफ

Abdiel Solutions
Empowering Technologies
© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

आमुख

यह पाठ्यपुस्तक 'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 के आलोक में विकसित नवीन पाठ्यक्रम के आधार पर वर्ष 2009 में तैयार की गई 'आकृति' भाग-1 का संशोधित, परिवर्द्धित एवं परिमार्जित रूप है। इस पुस्तक के विकास में इस बात का ध्यान रखा गया है कि ''शिक्षा का मतलब बिहार के स्कूली शिक्षार्थियों को इतना सक्षम बना देना है कि वे अपने जीवन का सही-सही अर्थ समझ सकें, अपनी समस्त योग्यताओं का समुचित विकास कर सकें, अपने जीवन का मकसद तय कर सकें और उसे प्राप्त करने हेतु यथासंभव सार्थक एवं प्रभावी प्रयास कर सकें तथा इस बात को भी समझ सकें कि समाज के दूसरे व्यक्ति को भी ऐसा ही करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।'' राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 हमें बताती है कि शिक्षार्थी के स्कूली जीवन और स्कूल के बाहर के जीवन में अंतराल नहीं होना चाहिए। पुस्तक और पुस्तक से बाहर की दुनिया आपस में गुँथी होनी चाहिए। आशा है कि यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था की दिशा में काफी दूर तक ले जाएगा।

इस पुस्तक में बच्चों की कल्पनाशक्ति के विकास, उनकी गतिविधियों की सृजनशीलता, उनके सवाल करने और उनका उत्तर पाने के मौलिक अधिकार के समुचित संरक्षण और उसे रचनात्मक दिशा देने की कोशिश की गई है। हर पाठ के साथ अनेक तरह के अभ्यास हैं जिनसे शिक्षार्थियों की पाठ पर पकड़ तो बनेगी ही, साथ ही साथ उनके भीतर जिज्ञासा को प्रोत्साहन मिलेगा। पुस्तक की परिकल्पना में अनेक महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखा गया है। ऐसा प्रयत्न किया गया है कि पाठ बोझिल न हों तथा सामयिक जीवन संदर्भों से जुड़कर बच्चों के लिए रोचक बन जाएँ ताकि बच्चे उत्सुकता और आनंद के साथ तनावमुक्त रीति से उन्हें पढ़ते हुए बहुविध जानकारी प्राप्त कर सकें और उस जानकारी का ज्ञान के सृजन में उपयोग कर सकें।

पाठकों के कक्षा विनिमयन के दौरान प्राप्त पृष्ठपोषण (फीडबैक), भाषाविदों, विषय-विशेषज्ञों, अभिभावकों, संकुल स्तरीय शैक्षिक गोष्ठियों सहित अन्य प्रशिक्षणों एवं कार्यशालाओं में उभरे बिन्दुओं एवं प्राप्त सुझावों के आलोक में 'आकृति' भाग-1 में संशोधन एवं परिमार्जन की आवश्यकता महसूस की गई। इस कार्य हेतु राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना ने संकाय-सदस्यों, विषय-विशेषज्ञों, भाषाविदों एवं प्रारंभिक शिक्षकों की कई कार्यशालाएँ आयोजित की। पुनः विषय-विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों द्वारा समीक्षोपरान्त यह पुस्तक संशोधित एवं परिमार्जित स्वरूप, नये कलेवर एवं नये नाम 'किसलय' भाग-1 के रूप में प्रस्तुत है।

इस कड़ी में वर्ग-1 से 8 तक की पाठ्य पुस्तकों को तीन सीरीज में रखा गया है :-

1. **अंकुर (भाग-1 एवं 2) क्रमशः वर्ग-1 एवं 2 के लिए ।**
2. **कोंपल (भाग-1, 2 एवं 3) क्रमशः वर्ग-3, 4 एवं 5 के लिए ।**
3. **किसलय (भाग-1, 2 एवं 3) क्रमशः वर्ग-6, 7 एवं 8 के लिए ।**

यूनिसेफ सहित पाठ्यपुस्तक के विकास में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप में सम्बद्ध शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों, सुप्रसिद्ध साहित्यकारों जिनकी रचनाएँ इस पुस्तक में शामिल की गई है, उनके प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करते हैं ।

माननीय शिक्षकों एवं बुद्धिजीवियों से जो महत्त्वपूर्ण सुझाव हमें प्राप्त हुए हैं, उन्हें इस पुस्तक में यथास्थान संशोधित कर दिया गया है। पुनश्च् उत्तरोत्तर बेहतरी हेतु आप के सुझावों की प्रतीक्षा में,

हसन वारिस
निदेशक,
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना

© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

पाठ-सूची

क्र.सं.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	पृष्ठ संख्या
1.	अरमान	कविता	राम नरेश त्रिपाठी	1
2.	असली चित्र	कहानी	संकलित	4
3.	चिड़िया	कविता	आरसी प्रसाद सिंह	9
4.	हॉकी का जादूगर	संस्मरण	मेजर ध्यानचंद	14
5.	हार की जीत	कहानी	सुदर्शन	19
6.	तुम कल्पना करो	कविता	गोपाल सिंह 'नेपाली'	26
7.	पिता का पत्र पुत्र के नाम	पत्र-लेखन	मोहनदास करमचंद गाँधी	29
8.	मंत्र	कहानी	प्रेमचन्द	34
9.	बाल-लीला	कविता	सूरदास	42
10.	भीष्म की प्रतिज्ञा	एकांकी	वंशीधर श्रीवास्तव	44
11.	सरजू भैया	कहानी	रामवृक्ष बेनीपुरी	51
12.	रहीम के दोहे	कविता	रहीम	57
13.	दादा-दादी के साथ	कहानी	निलिमा सिन्हा	60
14.	डॉ० भीमराव अम्बेडकर	जीवनी	संकलित	68
15.	भूल गया है क्यों इंसान	कविता	हरिवंश राय बच्चन	75
16.	स्वार्थी दानव	कहानी	ऑस्कर वाइल्ड	77
17.	फसलों का त्योहार	निबंध	संकलित	84
18.	शेरशाह का मकबरा	यात्रा वृतांत	पा.पु.वि.स.	91
19.	वसंती हवा	कविता	केदारनाथ अग्रवाल	98
20.	पहेलियाँ			102

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED